

तारीख
हुकम

6/12/17 पञ्जाबली पेश हुई। वकील कादिनी गौर हाजिर
ब्यागालय समझ में कादिनी/ वकील कादिनी की
अज्ञाने दिखलाई गई। परन्तु न तो कादिनी स्वयं
न ही उनकी जगह से कोई वकील हाजिर हुआ।
विहाज कादिनी का काद, जदम हाजिर जदम पैरकी
में खारिज लिखा जाता है। पञ्जाबली फिलाल सुमार
होकर नम्बर से कम है। वास्तव इफ्तार है।

(बुद्धिजा पारीक)
R-A-S.

Handwritten notes and signatures at the bottom of the page, including the name 'बुद्धिजा पारीक' and other illegible text.